This question paper contains 2 printed pages.

Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121302311**
Title of the Paper	**:**	**न्यायसिद्धान्तमुक्तावली** **Nyāyasiddhāntmuktāvalī**
Group	**:**	**B**
Name of the Course	**:**	**M.A., Sanskrit (LOCF), Examination, Jan 2024**
Semester	**:**	**III**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
(इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए: **4 x 7=28**

Explain the following with reference to context:

i. न, अविगीतशिष्टाचारविषयत्वेन मंगलस्य सफलत्वे सिद्धे.....समाप्तिरेव फलं कल्प्यते।

अथवा/OR

न च शरीराजन्यत्वेन कर्त्रजन्यत्वसाधकेन सत्प्रतिपक्ष इति वाच्यम् । अप्रयोजकत्वात्।

ii. न मण्याद्याभावविशिष्टवह्न्यादेर्दाहादिकं प्रति स्वातन्त्र्येण मण्यभावादेरेव वा हेतुत्वं कल्प्यते।

अथवा/OR

पारिमाण्डल्यभिन्नानां कारणत्वमुदाहृतम्।

iii. ईश्वरेऽपि सा जातिरस्त्येव।

अथवा/OR

न, तस्य जगद्विषयकत्वे सर्वज्ञत्वापत्ति:।

iv. ज्ञानं यन्निर्विकल्पाख्यं तदतीन्द्रियमिष्यते।

अथवा/OR

योगजो द्विविध: प्रोक्तो युक्तयुञ्जानभेदतः।

2. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के अनुसार पदार्थों के साधर्म्य-वैधर्म्य का सविस्तार वर्णन कीजिए। **10**
Describe the **साधर्म्य-वैधर्म्य** among substances according to Nyāyasiddhāntmuktāvalī in detail.

अथवा/OR

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के अनुसार 'कारण एवं अन्यथासिद्ध' का विवेचन कीजिए।
Describe 'कारण & अन्यथासिद्ध' according to Nyāyasiddhāntmuktāvalī.

3. विश्वनाथ के अनुसार 'नित्यविज्ञानात्मवाद' के खण्डन का विवेचन कीजिए। **10**
Discuss the refutation of 'नित्यविज्ञानात्मवाद' according to Viśvanātha.

अथवा/OR

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के अनुसार 'षड्विधसन्निकर्ष' का वर्णन कीजिए।
Describe 'षड्विधसन्निकर्ष' according to Nyāyasiddhāntmuktāvalī.

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिनमें से **एक <u>संस्कृत</u>** में हो: **5+5+5+7=22**
Write notes on the following in which <u>one</u> should be in <u>Sanskrit</u>:

i. समवाय **अथवा/ OR** जातिबाधक
ii. द्रव्यत्वसिद्धि **अथवा/ OR** अभाव
iii. शरीरात्मवाद **अथवा/ OR** इन्द्रियात्मवाद
iv. न्यायसम्मत आत्मा **अथवा/ OR** सामान्यलक्षणाप्रत्यासत्ति